सूरह अश-शूरा के दायरे में

सूरह अश-शूरा और उसके महान अर्थों पर गहरी सोच

सूरह अश-शूरा याद दिलाती है कि वह्य हिदायत का स्रोत है, और आपसी मशविरा एक ईमानी अख़लाक़ है जो राय को सँवारता और जमाअत को तानाशाही फ़ैसलों से बचाता है।

ये चिंतन रहमत, अल्लाह की पुकार पर लब्बैक, अंबिया के पैग़ाम की एकता, और इस बात पर विचार करते हैं कि ईमान कैसे ऐसा समाज बनाता है जो अदल और नर्मी से मशविरा करे।

पाठकों को दावत है कि मशविरे को घर, काम और समाज में तरीक़ा बनाएँ—अल्लाह की रज़ा और लोगों के फ़ायदे की तलाश में।

Generated from the localized educational narrative. Arabic remains the original authored PDF. · ash-shura · hi